BHIN 0101 T

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

हिन्दी भाषा और साहित्य का इतिहास

उददेश्य : हिन्दी भाषा और साहित्य का अध्ययन कराने का मुख्य उद्देश्य विद्यार्थी के अन्दर हिन्दी भाषा और साहित्य का ज्ञान होगा, जिससे हमारी भारतीय सामाजिक, सांस्कृतिक, आर्थिक, राजनैतिक और परिस्थितियों से परिचित हो सकेंगे। कहा भी गया है कि साहित्य, समाज का दर्पण होता है।

इकाई–1 आदिकाल

हिंदी भाषा का विकास : सामान्य परिचय।

आदिकाल : काल विभाजन एवं नामकरण एवं आदिकाल की प्रवृत्तियाँ प्रमुख कवि तथा रचनाएँ। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–2 भक्तिकाल

भक्ति आंदोलन : उद्भव और विकास।

भक्तिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–3 रीतिकाल

रीतिकाल : नामकरण।

रीतिकाल की प्रमुख प्रवृत्तियाँ एवं प्रमुख कवि। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–4 आधुनिककाल

मध्यकालीन बोध तथा आधुनिक बोध (सक्रं मण की परिस्थितियाँ)

आधुनिक हिंदी कविता की प्रमुख प्रवृत्तियाँ।

उपन्यास, कहानी, नाटक, निबंध, आलोचना तथा अन्य गद्य रूप। **(15 व्याख्यान)**

इकाई–5 प्रमुख साहित्यिक वाद एवं आंदोलन

छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता, समकालीन कविता, नई कहानी, समकालीन कहानी का परिचयात्मक इतिहास। **(15 व्याख्यान)**

आधार ग्रंथ–

- हिन्दी भाषा– धीरेंद्र वर्मा, हिन्दुस्तानी एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–रामचंद्र शुक्ल, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य बीसवीं शताब्दी नदंदुलारे वाजपेयी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिन्दी साहित्य संवेदना और विकास–रामस्वरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- हिंदी साहित्य का दूसरा इतिहास–बच्चन सिंह, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- छायावाद–डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कविता के नए प्रतिमान– डॉ. नामवर सिंह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी भाषा की संरचना–भोलानाथ तिवारी, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आदिकालीन हिंदी साहित्य के अध्ययन की दिशाएँ–अनिल राय, शिवालिक प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी साहित्य का इतिहास–डॉ. नगेन्द्र, मयूर प्रकाशन, नोएडा।
- हिन्दी साहित्य का सरल इतिहास–डॉ. विश्वनाथ त्रिपाठी, ओरियंट प्रकाशन, नई दिल्ली।

BHIN 0202 T

हिन्दी कविता (मध्यकाल और आधुनिक काल)

उददे्श्य : इस प्रश्नप्रत्र का उदद्ेश्य विद्यार्थियों में हिन्दी साहित्य के विभिन्न कालखण्डों के कवियों की कविता, जो तत्कालीन समाज का दस्तावेज है, उससे बखूबी परिचित हो सकेंगें। साथ ही वर्तमान समय में उनकी कविता की प्रासंगिकता का को भी समझ सकेंगे।

इकाई–1 : **कबीर–गुरूदेव को अंग** 3, 4, 11, 21, 34, सुमरिन को अंग–5, 8, 9, 28, विरह को अंग–2, 6, 11, 12,15 (श्यामसुंदर दास ग्रंथावली)

सूरदास–सूरसागर–सार, संपा.डॉ. धीरेंद्र वर्मा, साहित्य भवन, 1990 ई.

भक्ति और विनय के पद– 2, 23, 25, 39, 44

उद्धव संदेश– 65, 69, 70, 132, 135

गोस्वामी तुलसीदास– विनयपत्रिका 1, 41, 87, 88, 105,

रामचरितमानस : उत्तरकांड– 23, 61, 69, 97, 111 (ख), 130 (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : **बिहारी – जगन्नाथ दास रत्नाकर–बिहारी रत्नाकर**

छंद संख्या–25, 38, 39, 41, 51, 62, 69, 70, 101, 121

घनानंद– घनानंद कवित्त– विश्वनाथ प्रसाद मिश्र

छंद संख्या– 1, 3, 7, 11, 14, 15, 32 (15 व्याख्यान)

इकाई–3 : **जयशंकर प्रसाद– बीती विभावरी जाग री! (लहर)**

सूर्यकांत त्रिपाठी निराला – वर दे वीणा वादिनी।

रामधारी सिंह 'दिनकर' – आग की भीख। (15 व्याख्यान)

इकाई–4 : अज्ञेय – कलगी बाजरे की

केदारनाथ अग्रवाल – बसंती हवा मुक्तिबोध – भूल गलती

भवानी प्रसाद मिश्र – श्रम की महिमा (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : केदारनाथ सिंह – हक दो

ओमप्रकाश वाल्मीकि – युग चेतना

उदय प्रकाश – ताना बाना

सुशीला टाकभौरे – नहीं हारेगी कभी (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- कबीर ग्रंथावली–श्यामसुन्दरदास, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सूरसागर सार– संपादक धीरेन्द्र वर्मा, साहित्य भवन, इलाहाबाद।
- विनयपत्रिका–तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- श्रीरामचरितमानस–गोस्वामी तुलसीदास, गीताप्रेस, गोरखपुर।
- घनानंद कवित्व–विश्वनाथ प्रसाद मिश्र, नागरी प्रचारिणी सभा।
- भारत भारती–साहित्य सदन झांसी, उ0प्र0।
- लहर–जयशंकर प्रसाद, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- राग–विराग–डॉ. रामविलास शर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- प्रतिनिधि कविताएँ–अज्ञेय, केदारनाथ अग्रवाल, भवानी पस्र ाद मिश्र, केदारनाथ सिह, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली। 3
- प्रतिनिधि कविताएँ– अरूण कमल, राजेश जोशी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ –

- कबीर–आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- त्रिवेणी– रामचंद्र शुक्ल, विश्वविद्यालय, प्रकाशन, वाराणसी।
- गोस्वामी तुलसीदास–रामचंद्र शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- प्रसाद का काव्य– प्रेम शंकर, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- जयशंकर प्रसाद– नंददुलारे वाजपेयी, लोक भारती प्रकाशन, नई दिल्ली।
- लोकवादी तुलसीदास– विश्वनाथ त्रिपाठी, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- आनंदघन– रामदेव शुक्ल, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सांमती काव्य का परिदृश्य और बिहारी, रामदेव शुक्ल
- समकालीन काव्य –विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।
- आधुनिक काव्य – विश्वनाथ प्रसाद तिवारी।

BHIN 0303 T

हिन्दी कथा सहित्य

उददे्श्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थियों में हिन्दी कथा साहित्य की प्रमुख विधा कहानी, उपन्यास के उद्भव और विकास यात्रा को जान सकेंगे तथा विभिन्न कालखण्ड के कहानीकारों की कहानियां पाठ, व्याख्या और आलोचना के माध्यम से वर्तमान समय की सामाजिक, राजनीतिक, पारिवारिक, धार्मिक, सांस्कृतिक आदि समस्याओं से अपने जीवन में एक नया आयाम ढूढ़ने सकेंगे।

इकाई–1 हिन्दी कथा साहित्य का विकास : कहानी

हिन्दी कहानी : विकास, प्रवृत्तियाँ और स्वरूप, विभिन्न युग और प्रमुख कहानी आन्दोलन (15 व्याख्यान)

इकाई–2 कहानी : व्याख्या और आलोचना

उसने कहा था – चंद्रधर शर्मा गुलेरी

दो बैलों की कथा – प्रेमचंद

रोज – अज्ञेय (15 व्याख्यान)

इकाई–3 कहानी : व्याख्या और आलोचना

सलाम – ओम प्रकाश वाल्मीकि

पगहा जोरी जोरी रे घटो – रोज केरकट्टा

बोलने वाली औरत – ममता कालिया (15 व्याख्यान)

इकाई–4 हिन्दी कथा साहित्य का विकासः उपन्यास

हिन्दी उपन्यास : उद्भव, प्रवृत्तियाँ, स्वरूप (15 व्याख्यान)

इकाई–5 उपन्यास : व्याख्या और आलोचना

आपका बंटी : मन्नू भंडारी (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- आपका बंटी–मन्नु भण्डारी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- एक दुनिया समानान्तर–राजेन्द्र यादव, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- बोलने वाली औरत–ममता कालिया।
- श्रेष्ठ हिन्दी कहानियाँ–संपादक स्वयंप्रकाश।

सहायक ग्रंथ–

- प्रेमचंद और उनका युग, रामविलास शर्मा, राजकमल पक्र ाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी उपन्यास : एक अंतर्यात्रा, रामदरश मिश्र, राजकमल प्रकाशन, नइ दिल्ली।
- कहानी : नई कहानी, नामवर सिंह, लोक भारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी की भूमिका, कमलेश्वर, शब्दकार प्रकाशन, तुर्कमान गेट, दिल्ली।
- हिन्दी कहानी : अंतरंग पहचान– रामदरश मिश्र, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- नई कहानी : संदर्भ और प्रकृति, देवीशंकर अवस्थी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कुछ कहानियाँ : कुछ विचार– विश्वनाथ त्रिपाठी राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

BHIN 0404 T

अन्य गद्य विधाएं

उददेश्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में हिन्दी गद्य विधाओं निबन्ध, संस्मरण, जीवनी, व्यंग्य, डायरी एवं आत्मकथा का पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ के विविध पहलूओं का बारीकी से समझते हुए व्यक्ति, समाज, और राष्ट्र के विकास में अपनी महत्त्वपूर्ण भमिको को निभाने का प्रयास करेंगे।

इकाई–1 : निबन्ध : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु

श्रद्धा और भक्ति – रामचंद्र शुक्ल (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : संस्मरण : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

जंग बहादुर : संस्मरण – महादेवी वर्मा

नंगातलाई का गाँव ('नंगातलाई का गाँव' पुस्तक से) – विश्वनाथ त्रिपाठी

(15 व्याख्यान)

इकाई–3 : जीवनी एवं यात्रा वृतांत : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

विष्णु प्रभाकर (जीवनी) – आवारा मसीहा (आरम्भिक प्रसंग)

सौन्दर्य की नदी नर्मदा (यात्रावृतांत) – अमृत लाल बगेड़ (15 व्याख्यान)

इकाई–4 : व्यंग्य एवं एकांकी : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

सदाचार का ताबीज (व्यंग्य) – हरिशंकर परसाई

स्ट्राइक (एकांकी) – भुवनश्वेर (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : डायरी एवं आत्मकथा : पाठ, व्याख्या, आलोचना और संदर्भ

बजांरा मन और बदिसे – (डायरी) मधु काकरिया

जिव तरसे पिया मिलन को (कस्तूरी कुण्डल बसै : आत्मकथा अंश) – मैत्रेयी पुष्पा

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- भारतेन्दु ग्रथावली – प्रचारक संस्थान, वाराणसी।
- चिन्तामणि भाग–1 : रामचन्द्र शुक्ल, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- सौन्दर्य की नदी नर्मदा– अमृतलाल बेगड़, मध्य प्रदेश हिन्दी ग्रंथ अकादमी।
- आवारा मसीहा– विष्णु प्रभाकर, राजपाल एंड संस, नई दिल्ली।
- नंगा तलाई का गाँव– विश्वनाथ त्रिपाठी, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- सदाचार का ताबीज– हरिशंकर परसाई, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।
- कस्तुरी कुण्डल बसै– मैत्रेयी पुष्पा, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली।

सहायक ग्रंथ–

- हिन्दी का गद्य साहित्य– रामचंद्र तिवारी, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी।
- हिंदी गद्य का विन्यास और विकास– रामस्चरूप चतुर्वेदी, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद।
- निबंधों की दुनिया– विजयदेवनाराणा साही; निर्मला जैन/हरिमोहन शर्मा, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।
- निबंधों की दुनिया – शिवपूजन सहाय; निर्मला जैन/अनिल राय, वाणी प्रकाशन, दिल्ली, प्रथम संस्करण 2007
- छायावादोत्तर गद्य साहित्य– विश्वनाथप्रसाद तिवारी, वाणी प्रकाशन, दिल्ली।

BHIN 0505 T

सहित्यय शास्त्र और हिन्दी आलोचना

इकाई – 1 भारतीय काव्य शास्त्र

काव्य प्रयोजन

काव्य लक्षण

काव्य हेतु

काव्य का स्वरूप

इकाई – 2 भारतीय काव्य सिद्धांत

अलंकार सिद्धांत

रीति सिद्धांत

रस सिद्धांत

ध्वनि सिद्धांत

वक्रोक्ति सिद्धांत

औचित्य सिद्धांत

इकाई – 3 सहित्यशास्त्रीय अवधारणाएँ

काव्य रूप

काव्य गुण

काव्य दोष

शब्द शक्ति

इकाई – 4 नाट्यशास्त्र :

भारतीय नाट्यशास्त्र का सामान्य परिचय

वृत्ति

अभिनय

रूपक

कथा

नेता या नायक

नायिका

रंगमंच के प्रकार

रंगमंचीय विशेषताएं

इकाई – 5 हिन्दी आलोचना का इतिहास तथा सैद्धांतिकी : सामान्य परिचय

हिन्दी आलोचना का विकास

सैद्धांतिक आलोचना

स्वछन्दतावादी आलोचना

मार्क्सवादी आलोचना

मनोविशलेषणवादी आलोचना

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्मा, देवेन्द्र नाथ, पाश्चात्य काव्यशास्त्र, मयूर पेपर बैक्स, नोएडा, 2002
2. जैन, निर्मला, पाश्चात्य साहित्य चिन्तन, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली, 1990
3. सिंह, बच्चन, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र का तुलनात्मक अध्ययन, हरियाणा साहित्य अकादमी, चंडीगढ़. 1987
4. मिश्र, भगीरथ, पाश्चात्य काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1988
5. मिश्र, भगीरथ, काव्यशात्र, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी,
6. त्रिपाठी, विश्वनाथ, हिंदी आलोचना, राजकमल प्रकाशन, नई दिल्ली, 1992
7. तिवारी, डॉ. रामचन्द्र, भारतीय एवं पाश्चात्य काव्यशास्त्र की रूपरेखा, लोकभारती प्रकाशन, इलाहाबाद, तृतीय संस्करण, 2010
8. काव्यतत्व विमर्श
9. सिद्धांत और अध्ययन – बाबू गुलाबराय
10. साहित्य–सिद्धांत – रामअवध द्विवेदी
11. भारतीय काव्यशास्त्र की भूमिका डा०० नगेन्द्र
12. रससिद्धांतः स्वरूप और विश्लेषण – आनंदप्रकाश दीक्षित
13. रस सिद्धांत – डा० नगेन्द्र
14. साहित्य का स्वरूप – नित्यानंद तिवारी
15. साहित्य सहचर – आचार्य हजारी प्रसाद द्विवेदी
16. राष्ट्रीय गौरव एवं भारतीय संस्कृति प्रकाशक – चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय, मेरठ3
17. प्रसाद के नाटकः स्वरूप और संरचना – गोविंद चातक
18. हिंदी के प्रतिनिधि एकांकीकार – डा0 द्वारिका प्रसाद सक्सेना
19. हिंदी एकांकीः समग्र अध्ययन – डा0 अब्दुर्रशीद ए० शेख
20. आधुनिक हिंदी नाटक और रंगमंच – लक्ष्मीनारायण लाल
21. नाट्य विमर्श – नर नारायण राय

22. भारतीय नाट्य रंगमंच — आचार्य विश्वनाथ मिश्र
23. हिंदी नाटकः आज और कल — वीणा गौतम
24. भारतीय और पाश्चात्य नाट्य सिद्धांत — डा0 विश्वनाथ मिश्र
25. गीति नाट्य सिद्धांत और समीक्षा — डा० शिवशंकर कटारे
26. नाटक का रंग विधान — डा0 विश्वनाथ मिश्र
27. हिंदी नाटक आज और कल — जयदेव तनेजा
28. राष्ट्रीय नवजागरण और प्रसाद के नाटक — डा० इंदुमति सिंह
29. नाटक का समाजशास्त्र — बी०डी० गुप्ता
30. हिंदी नाटक में समसामयिक परिवेश — विपिन गुप्त
31. हिंदी नाटक नई दिशाएं नए प्रश्न — गिरीश रस्तोगी
32. नाटक के रंगमंचीय प्रतिमान — डा० वशिष्ठ नारायण त्रिपाठी
33. रस सिद्धांत — रामअवध द्विवेदी
34. रस मीमांसा — रामचन्द्र शुक्ल
35. रस सिद्धांत — डा०० नगेन्द्र
36. काव्यशास्त्र — भगीरथ मिश्र
37. काव्य दर्पण — रामदहिन मिश्र
38. साहित्य संचार हजारी प्रसाद द्विवेदी — हजारी प्रसाद द्विवेदी

BHIN 0606 T

हिन्दी का राष्ट्रीय काव्य

इकाई – 1 वीरगाथा काल का राष्ट्रीय काव्य :

चंदबरदाई : पृथ्वीराज रासो के रेवा तट समय के अंश (चढ़त राज पृथिराज,

जगनिक : आल्ह खण्ड नैनागढ़ की लड़ाई अथवा आल्हा का विवाह खण्ड (प्रथम पांच सुमिरन अंश (गया न कीन्हीं जिन कलजुग मां ––––भयानक मार) अंतिम पांच अंश (भोर भुरहरे– – लड़िहैं खूब बीर मलखान)

इकाई –2 भक्ति एवं रीतिकाल का राष्ट्रीय काव्य :

गुरु गोविन्द सिंह : देहु शिवा वर मोहि इहे, बाण चले तेई कुंकुम मानो,

यों सुनि के बतियान तिह की

भूषण : इन्द्र जिमि जम्भ पर, बाने फहराने, निज म्यान तें मयूखें, दारुन दहत हरनाकुस बिदारिवे कों

इकाई – 3 भारतेंदु एवं द्विवेदीयुगीन राष्ट्रीय काव्य :

भारतेंदु हरिश्चंद्र : उन्नतचितहवैआर्य परस्पर प्रीत बढ़ावें, बल कलाकौशल अमित विद्या वत्स भरे मिल लहै, भीतर भीतर सब रस चूसै, सब गुरुजन को बुरो बतावै

अयोध्या सिंह उपाध्याय 'हरिऔध' : कर्मवीर, जन्मभूमि

मैथिलीशरण गुप्त : आर्य, मातृभूमि

इकाई – 4 **छायावाद युगीन राष्ट्रीय काव्य :**

जयशंकर प्रसाद : प्रयाण गीत (हिमाद्रि तुंग श्रृंग), अरुण यह मधुमय देश हमारा

सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' : भारती वंदना (भारतिजय विजय करे), जागो फिर एक बार

माखनलाल चतुर्वेदी : पुष्प की अभिलाषा, जवानी

सुभद्रा कुमारी चौहान : वीरों का कैसा हो वसंत, झाँसी की रानी

बालकृष्ण शर्मा नवीन : कवि कुछ ऐसी तान सुनाओ, कोटि कोटि कंठों मे निकली आज यही स्वर धारा है

रामधारी सिंह 'दिनकर': शहीद स्तवन (कलम आज उनकी जय बोल), हिमालय

श्यामलाल गुप्त 'पार्षद': झंडा गीत (विजयी विश्व तिरंगा प्यारा)

इकाई – 5 समकालीन राष्ट्रीय काव्य प्रथम चरण :

श्यामनारायण पाण्डेय : चेतक की वीरता, राणा प्रताप की तलवार

द्वारिकाप्रसाद माहेश्वरी : उठो धरा के अमर सपूतों, वीर तुम बढ़े चलो

गोपालप्रसाद व्यास : खूनी हस्ताक्षर, शहीदों में तू नाम लिखा ले रे

सोहनलाल द्विवेदी : मातृभूमि, तुम्हें नमन (चल पड़े जिधर दो डग मग में)

अटलबिहारी वाजपेयी : कदम मिलाकर चलना होगा, उनकी याद करें

डॉ. रमेश पोखरियाल 'निशंक': मातृ वंदना, हम भारतवासी

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. विवारी, उदयनारायण, वीर काव्य, भारती भण्डार, प्रयाग, प्रथम संस्करण, संवत 2005वि.
2. चंदबरदाई, पृथ्वीराज रासो, मोहनलान विष्णुलाल पंड्या और श्याम सुन्दर दास, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण, सन 1906.
3. सिंह, शांता, चंदबरदाई, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
4. कुमुद, अयोध्याप्रसाद गुप्त, साहित्य अकादेमी, नयी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2014
5. आल्हखण्ड, ई पुस्तकालय डॉट कॉम
6. श्यामसुंदरदास (संपा.), परमाल रासो, नागरी प्रचारणी सभा, वाराणसी, प्रथम संस्करण
7. सिंह, डॉ. महीष, गुरु गोविन्द सिंह और उनका काव्य, नेशनल पब्लिशिंग हाउस, नवी दिल्ली, सन 1969, प्रथम संस्करण
8. बोरा, राजमल, भूषण, साहित्य अकादेमी, नवी दिल्ली, पुनर्मुद्रण सन 2017
9. मिश्र, आचार्य विश्वनाथ प्रसाद, वाणी वितान, वाराणसी, संवत 2010 वि.
10. ब्रजरव दास, भारतेंदु ग्रंथावली, वाराणसी
11. बिरीश, गिरिजदत्त शुक्ल, महाकवि हरिऔध, अरुणोदय पब्लिशिंग हाउस, प्रयाग, सन 1932
12. पालीवाल, डॉ. कृष्णदत्त, मैथिलीशरण गुप्त ग्रंथावली, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, सन 2008
13. व्यास, विनोद शंकर (संपा.), प्रसाद और उनका साहित्य, विद्या भास्कर बुक डिपो, वाराणसी
14. वाजपेयी, नंददुलारे, जयशंकर प्रसाद, लीडर प्रेस, इलाहाबाद
15. अरुण, डॉ. योगेन्द्रनाथ शर्मा एवं कन्डियाल बेचैन, हिमवंत का राष्ट्रीय कवि 'नितंक', अनंग प्रकाशन दिल्ली, 2020
16. 'निशंक' रमेश पोखरियाल युग पुरुष भारत रख अटल जी, डायमंड बुक्स, न्यू दिल्ली
17. सविता मोहन – राष्ट्रीय काव्यधारा के कवि निशंक, सत्यम पब्लिशिंग हाउस, न्यू दिल्ली
18. kavitakosh-org
19. epustakalay-com
20. ndl-iitkgp-ac-in (National digital library of India)
21. hindigeetmala.net

BHIN 0707 T

भाषा विज्ञान, हिन्दी भाषा तथा देवनागरी लिपि

इकाई – 1 भाषा एवं भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय :

भाषा : परिभाषा, स्वरूप, अभिलक्षण

भाविज्ञान : परिभाषा, प्रकार, क्षेत्र, शाखाएँ

3

इकाई –2 भाषिक संरचना तथा स्तर :

ध्वनि

शब्द

रूप

वाक्य

प्रोक्ति

अर्थ

इकाई – 3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति तथा विकास :

पृष्ठभूमि

अपभ्रंश

अवहट्ट

पुरानी हिन्दी

हिंन्दुस्तानी

मानक हिन्दी

इकाई – 4 हिन्दी शब्द सम्पदा और उसके मूल स्त्रोत एवं वैधानिक तथा संवैधानिक स्थिति :

हिन्दी ध्वनियों कावर्गीकरण आधार – बाह्य प्रयत्र, आभ्यंतर प्रयत्र, उच्चारण, स्थान, प्राणत्व और अनुनासिकता

राजभाषा आयोग

राजभाषा अधिनियम तथा उनका विश्लेषण

संवैधानिक प्रावधान तथा उनका विश्लेषण

इकाई – 5 देवनागरी लिपि :

नामकरण

उद्भव और विकास

विशेषताएं

वैज्ञानिकता

समस्या

सुधार

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. शर्माआचार्यदेवेन्द्रनाथ, भाषाविज्ञानकीभूमिका, राधाकृष्णप्रकाशन, दरियागंजनयी दिल्ली, 1972
2. द्विवेदीकपिलदेव, भाषा–विज्ञानएवंभाषा–शास्त्रविश्वविद्यालयप्रकाशन, वाराणसी, 1980
3. शर्माडॉ. रामकिशोर, हिंदीभाषा का ऐतिहासिकपरिप्रेक्ष्य, विद्याप्रकाशन, इलाहाबाद, 1994
4. तिवारीभोलानाथ, हिंदीभाषाकाइतिहास, वाणीप्रकाशन, नईदिल्ली, 1987
5. त्रिपाठीसत्यनारायण, हिंदी भाषा और लिपि का ऐतिहासिक विकास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1981
6. शर्माराजमणि, हिंदीभाषाः इतिहासएवंस्वरूप, वाणी प्रकाशन, नईदिल्ली, 2014
7. तिवारीभोलानाथ, भाषाविज्ञान, किताबमहल, इलाहाबाद, 1999
8. वर्माडॉ.धीरेन्द्र, हिंदी भाषा औरलिपि, हिन्दुस्तानी एकेडमी, प्रयाग, 1951
9. बाहरीहरदेव., हिंदीभाषा, अभिव्यक्तिप्रकाशन, दिल्ली, 2017
10. बाहरीहरदेव, हिंदीउद्भव, विकासऔररूप, किताबमहल, इलाहाबाद, 42वाँसंस्करण, 2018
11. हिंदी भाषा – कैलाष चंद्र भाटिया
12. भाषा विवेचन – भगीरथ मिश्र
13. हिंदी का व्यवाहरिक व्याकरण – हरदेव बाहरी
14. हिंदी व्याकरण – कामता प्रसाद गुरू
15. हिंदी भाषा – डा०० भोलानाथ तिवारी
16. हिंदी भाषा का उद्गम और विकास – उदयनारायण तिवारी
17. हिंदी भाषा की लिपि संरचना – डा० भोलानाथ तिवारी
18. देवनागरी लेखन तथा हिंदी वर्तनी व्यवस्था – लक्ष्मी नारायण
19. हिंदी भाषा की वाक्य संरचना – डॉ० भोलानाथ तिवारी
20. हिंदी भाषा की आर्थी संरचना – डॉ० भोलानाथ तिवारी
21. भाषा विज्ञान – प्रो नरेश मिश्र
22. हिंदी भाषा में वर्तनी एवं उच्चारण संबंधी त्रुटियां एवं उपचार – भंवर लाल नागदा
23. हिंदी भाषा संरचना के विविध आयाम – रवींद्रनाथ श्रीवास्तव
24. हिंदी शब्द समूह का विकास – डा0 नरेश मिश्र
25. हिंदी भाषा के अक्षर तथा शब्द की सीमा – डा0 कैलाश चंद्र भाटिया
26. हिंदी और उसकी उपभाषाएँ – विमलेश कांति वर्मा
27. लिपि की कहानी – गुणाकर भूले
28. भाषा और समाज – रामविलास शर्मा

BHIN 0808 T **लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति**

इकाई –1 लोक साहित्य का सामान्य परिचय एवं शिष्ट साहित्य

लोक साहित्य : परिभाषा, क्षेत्र, वर्गीकरण

लाक साहित्य और शिष्ट साहित्य का पारस्परिक संबंध

इकाई – 2 लोक साहित्य, लाक संस्कृति एवं राष्ट्रीय एकता : संकलन, सरक्षण एवं संचर्धन :

लोक सहित्य में लोक संस्कृति का चित्रण, लोक संस्कृति और राष्ट्रीय एकता

लोक साहित्य संकलन, संरक्षण एवं संवर्द्धन, राष्ट्रीय जीवन में लोक साहित्य का महत्व

इकाई – 3 लोक साहित्य की विविध विधाएँ एवं प्रकीर्ण साहित्य :

लोक गीत, लोक गाथा, लोक कथा, लोक नाट्य, लोक नृत्य एवं लोक संगीत

लोकोक्तिया, मुंहावरे एवं पहेलियाँ–परंपरा एवं महत्व

इकाई – 4 हिन्दी साहित्य का विकास क्रम :

हिन्दी का लोक साहित्य इतिहास : अध्ययन की सीमाएँ एवं आवश्यकताएँ, हिन्दी का लोक साहित्य और बोलियाँ

इकाई – 5 कौरवी

लोक साहित्य के प्रमुख रचनाकार रचनाएं एवं कौरवी लोक साहित्य की विशेषताए

सन्दर्भ ग्रन्थ :

1. प्रसाद, डॉ. दिनेश्वर, लोक साहित्य और संस्कृति, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 1973
2. शर्मा, डॉ. श्रीराम, लोक साहित्य सिद्धांत और प्रयोग, विनोद पुस्तक मंदिर, आगरा, 1973
3. सक्सेना, डॉ. उषा, लोक साहित्य एवं लोक संस्कृति, राजभाषा प्रकाशन, दिल्ली, 2007
4. उपाध्याय, कृष्णदेव, लोक साहित्य की भूमिका, साहित्य भवन प्राइवेट लिमिटेड, प्रयागराज, 1957
5. सुमन, रामनाथ, संपादक, सम्मेलन पत्रिका, लोक संस्कृति विशेषांक, प्रयागराज, संवत 2010
6. मिश्र, प्रो. चितरंजन एवं ओझा, दुर्गाप्रसाद, समकालीन हिंदी एवं अवधी कविता, प्रकाशन केंद्र, लखनऊ, 2019
7. मिश्र, डॉ. श्रीधर, भोजपुरी लोक साहित्यः सांस्कृतिक अध्ययन, हिंदुस्तानी एकेडमी, प्रयागराज, 1971
8. यादव, डॉ वीरेंद्र सिंह, भारत का लोक सांस्कृतिक विमर्श, कौटिल्य बुक्स, नई दिल्ली, 2018
9. बिसारिया, डॉ. पुनीत एवं यादव, डॉ. वीरेंद्र सिंह, भोजपुरी विमर्श, निर्मल पब्लिकेशन्स, दिल्ली, 2009
10. डॉ. सत्येंद्र, लोक साहित्य विज्ञान, शिवलाल अग्रवाल कंपनी, आगरा, 1971
11. बिसारिया, डॉ.पुनीत, बुन्देली महिमा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2017
12. बिसारिया, डॉ. पुनीत, बुन्देली काव्य धारा, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2019

13. उपाध्याय, कृष्णदेव, भोजपुरी लोक का अध्ययन, हिंदी प्रचारक पुस्तकालय, वाराणसी, 1949
14. सत्येन्द्र, ब्रज की लोक कहानियां, ब्रज साहित्य मंडल, मथुरा
15. सत्येन्द्र, ब्रज लोक साहित्य का अध्ययन, साहित्य रत्न भंडार, आगरा
16. हिंदी प्रदेश के लोक गीत कृष्ण देव उपाध्याय
17. हरियाणा प्रदेश का लोक साहित्य शंकर लाल यादव
18. मालवी लोक साहित्य का अध्ययन – श्याम परमार
19. वाचिक कविता भोजपुरी – पं० विद्या निवास मिश्र
20. भारतीय लोक साहित्य – परम्परा और परिदृश्य विद्या सिंहा
21. लखमीचन्द का काव्य वैभव – हरिश्चन्द्र बंधु
22. चीनी लोक कथाएँ – अनिल राय
23. हिंदी साहित्य को हरियाणा प्रदेश की देन – हरियाणा साहित्य अकादमी
24. कविता कौमुदी दृ ग्रामगीत
25. हिंदी लोक साहित्य – सां॰ राहुल सांस्कृत्यायन
26. कौरवी लोक साहित्य – डा० नवीन चन्द्र लोहनी
27. खड़ी बोली का लोक साहित्य – डा० सत्य गुप्त
28. कौरवी लोक संस्कृति – डा० कविता त्यागी
29. कौरवी शब्द कोश – डा० कृष्ण चन्द्र शर्मा एवं अन्य
30. लोक साहित्य विज्ञान – डा० सत्येन्द्र

हिन्दी भाषा का व्यवहारिक व्याकरण

उददे्श्य : इस प्रश्नपत्र के द्वारा विद्यार्थियों में भाषा और व्याकरण सम्बन्धित सम्यक ज्ञान का विकास हो सकेगा, जिससे उससे अभिव्यक्ति में अशुद्धि न होने की संभावना होगी। इससे उनका लेखन कार्य शुद्ध, स्पष्ट, शैलीपूर्ण, आकर्षक और रूचीकर होगी।

इकाई : 1 भाषा और व्याकरण :

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, व्याकरण की परिभाषा, महत्व भाषा और व्याकरण का अन्तः संबंध (15 व्याख्यान)

इकाई : 2 हिन्दी वर्णमाला, देवनागरी लिपि और शब्द सम्पदा

शब्दों के भेद–तत्सम्, तद्भव, देशज, विदेशी (स्रोत के आधार पर) एवं उपसर्ग, प्रत्यय एव ं शब्द और पद में अन्तर और अशुद्वियां (15 व्याख्यान)

इकाई : 3 व्याकरण व्यवहार :

व्याकरणिक श्रेणियाँ (संज्ञा,सर्वनाम,क्रिया, विशेषण और क्रिया विशेषण और लिंग, वचन, कारक आदि) (15 व्याख्यान)

इकाई : 4 शब्द निर्माण–

सधि, समास, मुहावरे लोकोक्तियां और पारिभाषिक शब्दावली।

(15 व्याख्यान)

इकाई : 5 हिन्दी वाक्य परिचय :

कर्त्ता कर्म, वाक्य के अंग–उद्देश्य और विधेय, वाक्य के भेद। वाक्यगत अशुद्वियां एवं विराम चिन्ह। (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ –

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुशासन : किशोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी भाषा सरं चना के विविध आयाम, रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, राधकृष्ण प्रकाशन,

सहायक ग्रंथ –

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवन्े द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाशन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।
- हिन्दी भाषा विज्ञान– डॉ. द्वारिका प्रसाद सक्सेना।

हिन्दी भाषा एवं लिपि का इतिहास

उददे्श्य : इस प्रश्नपत्र के माध्यम से विद्यार्थियों भाषा की अवधारणा, स्वरूप, उपभाषाएं, लिपि और इतिहास के विकास का ज्ञान प्राप्त हो सकेगा। इसके साथ ही अपनी भारतीय ऐतिहासिक लेखन पद्धति तथा पांडूलिपियों की समझ विकसित होगी एवं सूचना प्रौद्योगिकी, अनुवाद, हिन्दी शिक्षक तथा प्रवासी साहित्य का भी समुचित बोध प्राप्त होगा।

इकाई : 1 भाषा की अवधारणा एवं स्वरूप :

भाषा की परिभाषा एवं विशेषताएं, भाषा का मानक स्वरूप हिन्दी भाषा का उद्भव एवं विकास, भाषा और बोली, (15 व्याख्यान)

इकाई : 2 हिन्दी की उपभाषाएं :

पश्चिमी हिन्दी, पर्वी हिन्दी, राजस्थानी हिन्दी, बिहारी हिन्दी, पहाड़ी हिन्दी व उनकी बोलियाँ एवं विशेषताएँ। (15 व्याख्यान)

इकाई : 3 भाषा के विविध रूप :

सचांर भाषा, संपर्क भाषा, राजभाषा, राष्ट्रभाषा, भाषा की संवैधानिक स्थिति।

(15 व्याख्यान)

इकाई : 4 लिपि का इतिहास :

लिपि का प्रारम्भ, लिपि विकास के चरण, भारतीय लिपियाँ–खरोष्ठी लिपि, ब्राह्मी लिपि और देवनागरी लिपि। (15 व्याख्यान)

इकाई : 5 हिन्दी का भविष्य :

सचूना प्रौद्योगिकी, वैश्विक परिदृश्य, विदेशो में हिन्दी शिक्षण, अनुवाद, हिन्दी का प्रवासी साहित्य (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान : भोलानाथ तिवारी, किताब घर, नई दिल्ली।
- हिन्दी शब्दानुषासन : किषोरी दास वाजपेयी, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- हिन्दी व्याकरण, कामता प्रसाद गुरू, नागरी प्रचारिणी सभा, वाराणसी।
- आधुनिक हिन्दी व्याकरण और रचना–वासुदेवषरण अग्रवाल,

सहायक ग्रंथ–

- भाषा विज्ञान की भूमिका : देवेन्द्रनाथ शर्मा, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- हिन्दी भाषा का इतिहास : धीरेन्द्र वर्मा, हिन्दुस्तान एकेडमी, इलाहाबाद।

अस्मिता मूलक अध्ययन और हिन्दी साहित्य

उददे्श्य : इस प्रश्नप्रत्र के माध्यम से विद्यार्थी भारतीय समाज के उस उस वर्ग को समझ सकेगा, जो सदियों से अपमानित, वंचित, प्रताड़ित, अस्पृश्य समझे जाते हैं। इसके माध्यम वर्तमान समय के विविधि विमर्श जैसे दलित विमर्श, स्त्री विमर्श, आदिवासी विमर्श की समझा पैदा होगी तथा मुख्य धारा के साहित्य और हाशिये के साहित्य के बीच तुलनात्मक यथार्थ
दृष्टि विकसित होगी।

इकाई–1 : दलित विमर्श :
अवधारणा और इतिहास, फुले और अम्बेडकर। (15 व्याख्यान)

इकाई–2 : स्त्री विमर्श :
अवधारणाएँ और मुक्ति आंदोलन (पाश्चात्य और भारतीय)
(15 व्याख्यान)

इकाई–3 : आदिवासी विमर्श :
अवधारणा और इतिहास : जल, जंगल, जमीन और पहचान का सवाल। (15 व्याख्यान)

इकाई–4 : विमर्शमूलक कथा साहित्य :
कैलाश बानखेड़े – सत्यापन सुशीला टाकभौरे –सिलिया
नासिरा शर्मा – खुदा की वापसी (15 व्याख्यान)

इकाई–5 : विमर्शमूलक कविता :
ओमप्रकाश वाल्मीकि ठाकुर का कुआं
असंगघोष – मैं दूँगा माकूल जवाब
कात्यायनी –सात भाइयो ं के बीच चम्पा,
अनामिका –स्त्रियाँ (15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- सिमोन द बोउवा – स्त्री उपेक्षिता, अनुवाद प्रभा खेतान।
- गुलामगीरी– ज्योतिबा फुले, सम्यक प्रकाषन, नई दिल्ली।
- प्रभा खेतान – उपनिवेश में स्त्री, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली।
- दलित साहित्य का सौंदर्यशास्त्र–ओमप्रकाश बाल्मीकि, राधाकृष्ण प्रकाषन, नई दिल्ली।
- दलित आंदोलन का इतिहास– मोहनदास नैमिशराय
- आदिवासी अस्मिता का सकं ट– रमणिका गुप्ता

सहायक ग्रंथ–

- अंबेडकर रचनावली – भाग–1, अंबेडकर फाउझउेषन, नई दिल्ली
- औरत होने की सजा– अरविंद जैन, राजकमल प्रकाषन, नई दिल्ली, सस्ं करण 2006
- नारीवादी राजनीति– जिनी निवेदिता, हिन्दी माध्यम क्रियान्वयन निदेषालय, दिल्ली विष्वविद्यालय
- स्त्री अस्मिता साहित्य और विचारधारा– सुधा सिंह, हिन्दुस्तान एकेडमी, दिल्ली।

लोक सहित्य एवं संस्कृति

उददे्श्य : इस प्रश्नप्रत्र का उदद्ेश्य विद्यार्थियों में सैद्धांतिक साहित्य के साथ-साथ व्यावहारिक लोक साहित्य और संस्कृति का बोध होगा। लोक साहित्य के मनुष्य के जीवन का साहित्य है, जिसमे मनुष्य जीवन का यथार्थ अनुभव और आदर्श व्याप्त रहता है। इसके साथ ही लोक साहित्य में निहित बोलियों, लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा और लोकनाट्य के माध्यम से समाज की मूल भावना को रेखांकित कर सकेंगे।

इकाई – 1 : **लोकसाहित्य अवधारणा और स्वरूप–**

लोक का अर्थ, परिभाषा और क्षेत्र। लोकजीवन और लोकसंसकृति एवं लोककला।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 2 : **विभिन्न जनपदीय बोलियॉ और लोकसाहित्य–**

राजस्थानी, ब्रजभाषा, अवधी, बुन्देली, छत्तीसगढ़ी, कौरवी, भोजपुरी, कन्नौजी।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 3 : **लोकसाहित्य की विधायें –**

लोकगीत, लोकगाथा, लोककथा व लोकनाट्य।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 4 : **प्रकीर्ण लोकसाहित्य** :

लोकोक्ति, मुहावरें, बतकही, गारी व अन्य।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 5 : **लोकसंस्कृति–**

सस्कार, लोकनृत्य, लोकसंगीत, लोकवाद्य, वेष–भूषा आदि।

(15 व्याख्यान)

आधार ग्रंथ–

- लोकसाहित्य और संस्कृति – दिनेष्वर प्रसाद, जयभारती प्रकाषन, इलाहाबाद।
- लोक संस्कृति : आयाम एवं परिप्रेक्ष्य– महावीर अग्रवार, शंकर प्रकाषन, दुर्ग, म.प्र.।
- भारतीय लोक साहित्य की रूपरेखा– दुर्गा भागवत सम्पादक
- लोक साहित्य : सिद्वान्त और प्रयोग – श्रीराम 'षर्मा

सहायक ग्रंथ–

- लोकसाहित्य– राजेष श्रीवास्तव, कैलाष बुक सदन, भोपाल।
- लोकसाहित्य–ष्याम परमार।
- लोकसाहित्य–लेखआलेख, मोहन पाटिल।
- भारतीय लोकसाहित्य कोष–सुरेष गौतम।
- लोकसाहित्य विज्ञान–डॉ. सत्येन्द्र।

प्रयोजन मूलक हिन्दी

उददे्श्य : इस प्रश्नप्रत्र का उद्देश्य विद्यार्थियों में प्रयोजनमूलक हिन्दी के आशय, सिद्धांत प्रविधि, स्वरूप और उसकी विशेषताओं को जान सकेंगे। भाषा के विविध रूपों और उसकी उत्पत्ति का संक्षिप्त परिचय का बोध प्राप्त करने के साथ–साथ अपने जीवन में, सरकारी कार्यालयों में निबन्ध एवं पत्र लेखन का उपयोग जान करेंगे।

इकाई –1 प्रयोजनमूलक हिन्दी : आशय, सिद्धान्त, प्रविधि, स्वरूप एवं विशेषताएँ।

(15 व्याख्यान)

इकाई –2 भाषा के विविध रूप : राजभाषा, राष्ट्रभाषा, परिनिष्ठित भाषा, सम्पर्क भाषा।

भारतीय भारतीय भाषाओ ं की संवैधानिक स्थिति। **(15 व्याख्यान)**

इकाई –3 हिन्दी भाषा की उत्पत्ति, हिन्दी भाषा का सक्षिप्त परिचय।

हिन्दी की विशेषताए।ं **(15 व्याख्यान)**

इकाई – 4 सरकारी पत्राचार के प्रकारः सरकारी पत्र, अर्द्वसरकारी पत्र, कार्यालय ज्ञापन, परिपत्र, कार्यालय आदेश, राजपत्र, संकल्प अधिूसचना, अनुस्मारक, प्रतिवेदन।

(15 व्याख्यान)

इकाई – 5 सरकारी कार्यालयों में प्रयुक्त हिन्दी के प्रकार : सार लेखन या सक्ं षेपण, पल्लवन, टिप्पणी लेखन, निबंध लेखन। **(15 व्याख्यान)**

संदर्भ ग्रंथ

- नये जनसचं ार माध्यम और हिन्दी – सुधीश पचौरी
- अन्तरसांस्कृतिक सचांर – डॉ. मुक्तिनाथ – अर्चना शर्मा
- हिन्दी बेव साहित्य– डॉ. सुनील कुमार लवरे
- प्रयोजनमूलक हिन्दी – सरं चना एवं अनुप्रयोग– डॉ. रामप्रकाश, डॉ. दिनेश गुप्त

कार्यालयी हिन्दी और कम्प्यूटर

इकाई – 1 कार्यालयी हिंन्दी का स्वरूप, उद्देश्य एवं क्षेत्र :

कार्यलयी हिन्दी की संकल्पना

उद्देश्य एवं क्षेत्र

कार्यालयी हिन्दी में संभावनाएं

इकाई – 2 कार्यालयी हिन्दी में प्रयुक्त परिभाषिक शब्दावली :

शब्दावली निर्माण के सिद्धांत

कार्यालयी हिन्दी की परिभाषिक शब्दावली

कार्यालयों एवं अधिकारियों के पदनाम, संबंधेन आदि प्रशासनिक एवं विधिक शब्दावली

इकाई – 3 कार्यालयी हिन्दी प्रत्राचार

आवेदन पत्र

सरकारी पत्र

अर्द्ध सरकारी पत्र

कार्यालय आदेश

परिपत्र

अधिसूचना

कार्यालय ज्ञाप

विज्ञापन

निविदा

संकल्प

प्रेस विज्ञप्ति

इकाई – 4 प्रारूपण, टिप्पण, संक्षेपण, पल्लवन एवं प्रतिवेदन :

प्रारूपण का अर्थ, सामान्य परिचय, प्रारूपण लेखन की पद्धति

टिप्पण का अर्थ, सामान्य परिचय, टिप्पण लेखन की पद्धति, टिप्पण और टिप्पणी में अंतर

संक्षेपण का अर्थ, सामान्य परिचय, संक्षेपण की पद्धति

पल्लवन का अर्थ, सामान्य परिचय, पल्लवन के सिद्धांत, प्रतिवेदन का अर्थ, सामान्य परिचय एवं प्रयोग

इकाई – 5 हिंदी भाषा और कम्प्यूटर का विकास क्रम : कम्प्यूटर प्रौद्योगिकी :

कम्प्यूटर का सामान्य परिचय और इतिहास

कम्प्यूटर में हिंदी भाषा के विकास का इतिहास

कम्प्यूटर में हिंदी का प्रयोग

इन्टरनेट और हिंदी, ई मेल

हिंदी में उपलब्ध सॉफ्टवेयर एवं वेबसाइट

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. सागर, रामचंद्र सिंह, कार्यालय कार्यविधि, आत्माराम एंड संस, नवी दिल्ली, 1983
2. शर्मा, चंद्रपाल, कार्यालयीन हिंदी की प्रकृति, समता प्रकाशम, बिल्ली, 1991
3. प्रज्ञा पाठमाला, राजभाषा विभाग, गृह मंत्रालय, भारत सरकार, नयी दिल्ली
4. गोवरे, डॉ. बितोष, प्रयोजनमूलक हिंदी, वाणी प्रकाशम, नयी दिल्ली, 2009
5. झाल्टे, दंगल, प्रयोजनमूलक हिंदी सिद्धांत और प्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2016
6. सोनटक्के, डॉ. माधव, प्रयोजनमूलक हिंदी प्रयुक्ति और बनुवाद, वाणी प्रकाशन, नवी दिल्ली
7. भाटिया, कैलाश चन्द्र, प्रयोजनमूलक हिंदी प्रक्रिया बऔर स्वरूप, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2005
8. जैन, डॉ. संजीव कुमार, प्रयोजनमूलक कामकाजी हिंदी एवं कम्प्यूटिंग, कैलाश पुस्तक सदन, भोपाल
9. मल्होत्रा, विजयकुमार, कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. गोयल संतोष, हिंदी भाषा और कम्प्यूटर, श्री नटराज प्रकाशन, दिल्ली
11. हरिमोहन, आधुनिक जनसंचार और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
12. हरिमोहन, कम्प्यूटर और हिंदी, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
13. शर्मा, पी. के., कम्प्यूटर के डाटा प्रस्तुतिकरण और भाषा सिद्धांत, डायनामिक पब्लिकेशन्स, नयी दिल्ली
14. संजय द्विवेदी (संपा.), सोशल नेटवर्किंगः नए समय का संवाद, नेहा पब्लिशर्स एंड डिस्ट्रीब्यूटर्स, नयी दिल्ली
15. शुक्ल सौरभ, नए जमाने की पत्रकारिता, विजडम विलेज पब्लिकेशन्स, दिल्ली
16. कुमार सुरेश, इन्टरनेट पत्रकारिता, तक्षशिला प्रकाशन, नयी दिल्ली
17. श्रीवास्तव गोपीनाथ, कम्प्यूटर का इतिहास और कार्यविधि, सामयिक प्रकाशन, नवी दिल्ली
18. कम्प्यूटर परिचय – अरूण कपूर
19. हिंदी का सामाजिक संदर्भ – डा. रवीन्द्रनाथ श्रीवास्तव, रमानाथ सहाय
20. कम्प्यूटर प्रोगामिंगः सिद्धान्त और तकनीक – राजेन्द्र कुमार राजीव
21. प्रारम्भिक कम्प्यूटर शिक्षा – राम बंसल विज्ञाचार्य

हिन्दी गद्य

इकाई – 1 हिन्दी गद्य साहितय का संक्षिप्त इतिहास

हिन्दी कहानी का उद्भव और विकास

हिन्दी उपन्यास का उद्भव और विकास

हिन्दी नाटक का उद्भव और विकास

हिन्दी आलोचना का उद्भव और विकास

हिन्दी की अन्य गद्य विधाओं का उद्भव और विकास

इकाई – 2 हिन्दी गद्य की महत्वपूर्ण विघाओं का संक्षिप्त परिचय

कहानी

उपन्यास

नाटक

एकांकी

आलोचना

निबंध

यात्रा वृतान्त

संस्मरण

रेखाचित्र

डायरी

रिपोर्ताज

आत्मकथा

जीवनी

व्यंग्य

इकाई – 3 हिन्दी उपन्यास, कहानी

गबन	– प्रेमचंद
पंच परमेश्वर	– प्रमचंद
पाजेब	– यशपाल
तीसरी कसम	– रेणु
विष्णु प्रभाकर	– धरती अब भी घूम रही है
गंगा प्रसाद विमल	– विध्वंस

इकाई – 4 हिन्दी नाटक एवं एकांकी, निबन्ध

नाटक :

चन्द्रगुप्त – जयशंकर प्रसाद

एकांकी :

दीपदान – डॉ. रामकुमार वर्मा

रीढ़ की हड्डी – जगदीश चन्द्र माथुर

निबंन्ध :

भारतवर्षोन्नति कैसे हो सकती है – भारतेन्दु हरिशचन्द्र

मित्रता – आचार्य रामचन्द्र शुक्ल

अशोक के फूल – हजारी प्रसाद द्विवेदी

उत्तरा फाल्गुनी के आसपास – कुबेरनाथ राय

तुम चन्दन हम पानी – डॉ. विद्यानिवास मिश्र

इकाई – 5 गद्य विधाएं

रेखाचित्र (गिल्लू– महादेवी वर्मा)

संस्मरण (तीस बरस का साथी – रामविलास शर्मा)

जीवनी अंश (कलम का सिपाही – अमृत राय)

रिपोर्ताज (पहाड़ी रिक्शा– कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर)

व्यंग्य (एक फाइल का सफर रवींद्र नाथ त्यागी)

यात्रा वृत्तांत (मेरी तिब्बत यात्रा – राहुल सांकृत्यायन)

डायरी अंश (एक साहित्यिक की डायरी 28 मुक्तिबोध) भूमिका भाग एवं तीसरा क्षण पृष्ट सं० 7–

इन्टरव्यू (मैं इनसे मिला, श्री सूर्यकान्त त्रिपाठी निराला – पद्म सिंह शर्मा कमलेश)

आत्मकथा अंश (जूठन – ओमप्रकाश वाल्मीकि)

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी. रामचंद्र, हिंदी निबंध और निबंधकार, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 2007
2. शुक्ल, रामचंद्र, हिंदी साहित्य का इतिहास, विश्वविद्यालय प्रकाशन, वाराणसी, 1992
3. तिवारी, रामचंद्र, हिंदी गद्य का इतिहास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2019
4. सिंह, नामवर, आधुनिक साहित्य की प्रवृत्तियां, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2018
5. चतुर्वेदी, रामस्वरूप, गद्य विन्यास और विकास, लोक भारती प्रकाशन, प्रयागराज, 2018
6. के. सत्यनारायण (संपा.) दृश्य सप्तक, दक्षिण भारत हिंदी प्रचार सभा, मद्रास, प्रथम संस्करण, सन 1975

7. दस एकांकी, श्रीराम मेहरा एंड कंपनी, आगरा
8. वर्मा, डॉ. रामकुमार, आठ एकांकी नाटक, स्रोत : ई पुस्तकालय
9. हरिश्चंद्र भारतेंदु, अंधेर नगरी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
10. प्रसाद जयशंकर, ध्रुवस्वामिनी, वाणी प्रकाशन, नयी दिल्ली
11. रस्तोगी गिरीश, हिंदी नाटक का आत्मसंघर्ष, लोकभारती, इलाहाबाद
12. ओझा, डॉ. दशरथ, हिंदी नाटक : उद्‌भव और विकास, राजपाल एंड संस, दिल्ली
13. त्रिपाठी सत्यवती, आधुनिक हिंदी नाटकों में प्रयोगधर्मिता, राधाकृष्ण प्रकाशन, नयी दिल्ली
14. किशोर ब्रजराज, हिंदी नाटक और रंगमंच, जनप्रिय प्रकाशन
15. रस्तोगी गिरीश, समकालीन हिंदी नाटककार, राजकमल प्रकाशन, नयी दिल्ली
16. कुमार, सिद्धनाथ, हिंदी एकांकी की शिल्प विधि का विकास, साहित्य भवन लिमिटेड, इलाहाबाद
17. महेंद्र, डॉ. रामचरण, हिंदी एकांकी, उद्‌भव और विकास, साहित्य प्रकाशन, दिल्ली
18. बिसारिया, डॉ. पुनीत, निबंध निकष, शब्द सेतु प्रकाशन, नयी दिल्ली, 2009
19. शर्मा, डॉ० योगेन्द्र नाथ 'अरुण', कन्हैया लाल मिश्र प्रभाकर रचना संसार, साहित्य अकादेमी, नई दिल्ली
20. प्रभाकर, कन्हैया लाल मिश्र : क्षण बोले कण मुस्काए, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
21. मुक्तिबोध गजानन माधव – एक साहित्यिक की डायरी, भारतीय ज्ञानपीठ, नई दिल्ली
22. मेरे प्रिय निबंध – डा0 नगेंद्र
23. साहित्य में गद्य की नई विविध विधाएँ – डा0 कैलाश चंद भाटिया
24. व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई की सामाजिक प्रतिबद्धता – संजय शर्मा
25. हिंदी गद्य विन्यास और विकास – रामस्वरूप चतुर्वेदी
26. हिंदी का गद्य साहित्य – रामचंद्र तिवारी
27. आचार्य रामचंद्र शुक्ल – रामचंद्र तिवारी
28. हिंदी व्यंग्य का इतिहास – सुभाष चंदर
29. आधुनिक निबंध – कमल शर्मा
30. हिंदी गद्य के आयाम – डा० वेंकट शमा
31. आधुनिक हिंदी निबंध – डा0 राजेंद्र प्रसाद मिश्र/डा० मनोज मिश्र
32. अतीत के चलचित्र – महादेवी वर्मा
33. हिंदी गद्य मीमांसा – रमाकांत त्रिपाठी
34. हिंदी कहानी का विकास – मधुरेश
35. हिंदी उपन्यासः एक अंतर्यात्रा – डा0 रामदरश मिश्र
36. आधुनिकता एवं सृजनात्मक साहित्य – इंद्रनाथ मदान
37. भारतीय स्वतंत्रता और हिंदी उपन्यास – डा० शशि भूषण सिंघल

हिन्दी अनुवाद

इकाई – 1 अनुवाद की अवधारणा : अनुवाद की प्रक्रिया, पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा :

अनुवाद : परिभाषा, स्वरूप

अनुवाद का महत्व

अनुवाद के अन्य रूप : लिप्यतंरण, मशीनी अनुवाद आदि

अनुवादक के गुण, दायित्व और अपेक्षाएं

अनुवाद में रोजगार की संभावनाएं

अनुवाद की प्रक्रिया

अनुवाद की प्रक्रिया, प्रकार, सीमाएँ, अनवुाद के क्षेत्र, साहित्य, कार्यालयी विज्ञान, विधि, बैंकिग आदि

अंग्रेजी–हिन्दी अनुवाद की समस्याएं और समाधान

अनुवाद पुनरीक्षण, मूल्यांकन तथा समीक्षा

पुनरीक्षण, मूल्यांकन, समीक्षा

इकाई –2 अनुवाद का सामाजिक–सांस्कृतिक संदर्भ :

संस्कृति, साहित्य और भाषा

अनुवाद और संस्कृति

अनुवाद और समाज

अनुवाद और भाषा

बहुभाषिक समाज में अनुवाद

इकाई – 3 अनुवाद के साधन :

अनुवाद में कोश का महत्त्व

कोशों के प्रकार

कोशों के उपयोग

संकेत प्रणाली

शब्दकोश के उपयोग

थिसॉरस के उपयोग

पर्यायकोश के उपयोग

उच्चारणकोश के उपयोग

भाषिककोश के उपयोग

विषयकीश के उपयोग

परिभाषाकोश के उपयोग

विश्वकोश के उपयोग

माहित्यकोश के उपयोग

मिथककोश के उपयोग

पुराणकोश के उपयोग

इकाई – 4 परिभाषिक शब्दावली :

परिभाषिक शब्द : तात्पर्य तथा लक्षण
सामान्य शब्दों तथा परिभाषिक शब्दों की अनुवाद में भूमिका
परिभाषिक शब्दावली निर्माण के सिद्धांत
परिभाषिक शब्दावली निर्माण की प्रक्रिया

इकाई – 5 अनुवाद सैद्धातिकी

(हिन्दी से अंग्रेजी तथा अंग्रेजी में हिन्दी)
प्रशासनिक अनुवाद
बैकिंग अनुवाद
विधि अनुवाद
विज्ञान तथा तकनीकी अनुवाद
सामाजिक विषयों का अनुवाद
सर्जनात्मक अनुवाद

सन्दर्भ ग्रन्थः

1. तिवारी भोलानाथ, अनुवाद विज्ञान, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1972
2. समीर श्री नारायण, अनुवाद की प्रक्रिया, तकनीक और समस्याएं, राजकमल प्रकाशन, दिल्ली, 2012
3. पालीवाल डॉ. रीतारानी, अनुवाद की प्रक्रिया और परिदृश्य, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
4. गुप्ता डॉ. गार्गी, तिवारी डॉ. भोलानाथ, अनुवाद का व्याकरण, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1994
5. कुमार डॉ. सुरेश, अनुवाद सिद्धांत की रुपरेखा, वाणी प्रकाशन, नई दिल्ली, 2016
6. तिवारी भोलानाथ, चतुर्वेदी महेन्द्र, काव्यानुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1980
7. कुमार, डॉ. सुरेश, अनुवाद और पारिभाषिक शब्दावली, केन्द्रीय हिंदी संस्थान, आगरा, 1997
8. तिवारी भोलानाथ, कुमार कृष्ण, कार्यालयी अनुवाद की समस्याएं, शब्दकार प्रकाशन, दिल्ली, 1987
9. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्पः समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999
10. चौधरी डॉ. प्रवीण, कार्यालयी भाषा और अनुवाद, विनय प्रकाशन, अहमदाबाद, 2012
11. टंडन पूरनचंद, भाषा दक्षता (भाग 01 से 04), किताबघर प्रकाशन, दिल्ली, 2018
12. टंडन पूरनचन्द एवं सेठी डॉ. हरीश कुमार, अनुवाद के विविध आयाम, तक्षशिला प्रकाशन, नई दिल्ली, 2005
13. कुंचीपादम सीता, बैंकों में अनुवाद प्रविधि, भारतीय अनुवाद परिषद, दिल्ली, 1991
14. बिसारिया, डॉ. पुनीत, अनुवाद और हिंदी साहित्य, अनंग प्रकाशन, दिल्ली, 2018
15. अग्रवाल कुसुम, अनुवाद शिल्पः समकालीन सन्दर्भ, साहित्य सहकार प्रकाशन, दिल्ली, 1999